OM - 14 - 2021 FINAL_Page 1 and 2 28/09/2021 5:11 PM Page 11

मनसा सेवा के खेल को समझते हैं!

मनसा सेवा हर कोई करना चाहता है, लेकिन इसकी गहराई पर विचार करके कि मनसा सेवा की क्या-क्या काबिलियत हो सकती है, उसके आधार से ही उसमें पैनापन आयेगा। अपने को भी फायदा होगा, दूसरों को भी फायदा होगा। यह सेवा स्वयं की है, संसार स्वयं से है, न कि संसार से हम हैं, हमसे संसार है। इसलिए संसार के हर एक प्राणी को हम स्वयं समझकर, हम अपने आप पर काम करेंगे तो काबिलियत निश्चित रूप से बढ़ेगी। हम अगर किसी को जगाते हैं तो हम ध्यान रखते हैं कि उठने के बाद इसको अच्छा लगे, तो उसको सर पर सहलाते हुए उसे जगाते हैं, तो जब वो आँख खोलता है तो उसे कितना अच्छा लगता है। ऐसे ही हमें उठाना ज़रूर है सबको लेकिन बड़े आराम से, बड़ी शांति से, और वो होगा खुद पर काम करने के बाद। तो मन के मैलेपन को खत्म करना ही मनसा सेवा करना है।

मन सा कोई नहीं, अर्थात् मन जैसा कोई नहीं है। जो है तो बहुत खूब, बहुत अच्छा, लेकिन अगर थोड़ा भी दर्द आया तो उबरने में भी उतना ही समय लेता है। आत्मा ही मन है, जब वो सोच रही है, चित्र ला रही है, चरित्र ला रही है, बातें ला रही है। कहा भी जाता है, जैसी सोच वैसी ऊर्जा हमारे अंदर प्रवाहित होती रहती है। लाज़मी सी बात है, दिन भर की दिनचर्या में क्या कुछ हम सोचते हैं, वह फैलता भी है। घर के अनपढ़ और गंवार लोग भी कह देते हैं, क्या सोच रहा है, वातावरण भारी मत करो, माहौल भारी-भारी सा लग रहा है। ये क्या है, हमारी तरंगें ही तो हैं ना जो हर पल फैल रही हैं। तो जो मन में विचारों का खेल चल रहा है, उसे सब लोग दर्शक बन कर हर पल देख रहे हैं और उस पर निर्णय भी दे रहे हैं। परमात्मा इतने सक्षम हैं, सब कुछ कर सकते हैं, फिर भी वह हमसे यह खेल खेलने के लिए क्यों कहते हैं, ताकि हमें भी समझ आ जाये कि हम कैसे व किस भाव से लोगों के बीच रहते हैं। आपका हर पल किया गया संकल्प लोगों के जीवन के साथ जुड़ता ही है, संकल्प ज़्यादातर देखे हुए, सुने हुए या पढ़े हुए ही चलते हैं। जो हमने देखा था, साठ प्रतिशत भी वह सही नहीं था, जो सुना वो भी ऐसा ही सुना, जो पढ़ा वो भी ऐसा ही कुछ था। तो आप सोचें, जिसके मन में इतनी सारी बातें हैं, वह कैसे कर सकता है मनसा सेवा! जिसने सिर्फ अपने बारे में ही सोचा है, परमात्मा उसे बुद्धि दे रहे हैं, विशाल बुद्धि बना रहे हैं, तो भी वह वही सोच रहा है जिससे वह नीचे जा रहा है।

दरअसल परमात्मा हमारे मन की सफाई के लिए, मनसा सेवा करवा रहे हैं। मन में जब थोड़ा भी मैल है, चाहे वह किसी भी बात को लेकर है, वह व्यक्ति कहीं से भी वैसे ही वायब्रेशन देगा, जो वो है। इसलिए मन को परमात्मा जैसा बनाने के लिए मनसा सेवा की बात कर रहे हैं। इसलिए मनसा सेवा एक कार्य नहीं है, एक स्थिति है जो परमात्मा जैसा ही हमें रहने के लिए बाध्य करती है। जो उसके जैसा सोच सकता है, जो उसके जैसा बोल सकता है, जो उसके जैसा व्यवहार कर सकता है, उससे नैचुरल सेवा होती है।

तो इसलिए अगर हम थोड़ा भी किसी के प्रति दुर्भावना या किसी एक के लिए सद्भावना रखते हैं तो हम अयोग्य हैं। क्योंकि मनसा सेवा में थोड़ा भी दाग हमारे मन के संकल्पों को वैसा ही बनाने की कोशिश करता है। इसलिए मनसा सकाश देने के लिए पहले शुभ भावना, शुभ कामना से अपने प्रति शक्तिशाली संकल्पों में जीना शुरु करना है। बुद्धि को विशाल बनाना है, सारा संसार हम जैसा सोचते हैं वैसा ही सोचेगा तब... जब हम निःस्वार्थ, निर्संकल्प स्थिति के साथ जियेंगे। इसलिए एक बार चिंतन करने का यह विषय है कि जब आप किसी चीज़ के लिए बैठें तो सिर्फ शुद्ध संकल्पों में, श्रेष्ठ संकल्पों में बैठें। अपने आप को पावरफुल बनाते जाएं।

कोई भी खेल दो प्रतिद्वंदियों के बीच में ही खेला जाता है, लेकिन सिर्फ और सिर्फ कॉम्पीटिशन ही नहीं है, बल्कि खेल में महारत हासिल करने का एक ज़रिया भी होता है। आपकी सूझबूझ आपको उसमें जीत दिलाती है। उसी ढर्रे पर परमात्मा ने हमें मन का खेल सिखाया, नाम दिया... मनसा सेवा!

इसलिए मनसा सेवा मनुष्य की वो स्थिति है जिसमें उसका इंटेंशन पता चलता है, आशय पता चलता है, उसका भाव पता चलता है कि क्यों हम करें मनसा सेवा। क्या प्राप्ति होगी। सबने बुद्धि में ये बिठा लिया है कि इससे हम आत्माओं को जगा रहे हैं, उस स्थान को शुद्ध बना रहे हैं। लेकिन आपको पता हो कि जगाने वाला पहले खुद जगा हुआ होना चाहिए अपने एक-एक संकल्पों के प्रति, अपनी एक-एक भावनाओं के प्रति। मनसा सेवा परमात्मा के जैसा मन बनाने की प्रक्रिया है, इसमें शामिल होना माना एक छोटा-सा भी दाग आपको परेशान ना करे, तब जाकर आप मनसा सेवा के थोड़े से नज़दीक पहुंचेंगे। आपकी खुशबू, आपकी सुगंध आपके व्यवहार द्वारा चारों तरफ फैलती जायेगी।

अमरावती-महा.। सांसद श्रीमति नवनीत कौर राणा व बडनेरा मतदार संघ के विधायक रवि राणा को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सीता दीदी तथा ब्र.कु. भारती बहन।

फरीदाबाद से.19-हरियाणा। विधायक नरेन्द्र गुप्ता,ओल्ड फरीदाबाद को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. हरीश बहन तथा ब्र.कु.ज्योति बहन।

अरेराज धाम-बिहार। दादी प्रकाशमणि जी के 14वें पुण्य स्मृति समारोह में दादी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए विधायक सुनीलमणि तिवारी। साथ हैं ब्र.कु. मीणा दीदी।

कुरुक्षेत्र-दारा खेड़ा(हरियाणा)। सेशन जज अजय कुमार शारदा को रक्षासूत्र बांधने व ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. मधु बहन तथा ब्र.कु. मीनाक्षी बहन।

समस्तीपुर-बिहार। विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी शब्दांजलि प्रकट करते हुए दशरथ मिश्र,अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,समस्तीपुर। मंच पर उपस्थित हैं डी.के. श्रीवास्तव,अध्यक्ष, इंडियन डेयरी एसोसिएशन बिहार स्टेट चैप्टर सह एम.डी.,सुधा डेयरी,समस्तीपुर, ब्र.कु. सविता बहन तथा ब्र.कु. कृष्ण भाई।

चन्द्रपुर-महा.। कलेक्टर अजय गुल्हाने को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका व ब्लेसिंग कार्ड भेंट करते हुए ब्र.कु. सीमा बहन, ब्र.कु. प्रसाद भाई तथा अन्य।

कटनी-सिविल लाइन(म.प्र.)। एस.डी.एम. बलबीर रमण जी को रक्षासूत्र बांधते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी।

अकलतरा-छ.ग.। रक्षाबंधन पर्व पर राखी बांधने के पश्चात् उपस्थित हैं भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी साहु, थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार, ब्र.कु. भुवनेश्वरी बहन तथा अन्य।

सारंगपुर-म.प्र.। स्थानीय सेवाकेन्द्र पर आयोजित रक्षाबंधन के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए पूर्व विधायक गौतम टेटवाल, लायंस क्लब अध्यक्षा रूपा बारकिया, राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा, रिटा. शिक्षक भैरू लाल राठौर, विजय बारकिया, स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ गोकुल जी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन तथा ब्र.कु. प्रीति बहन।

आस्का-ओडिशा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बार एसोसिएशन में रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए ब्र.कु. प्रवाती बहन। इस मौके पर वाइस प्रेसीडेंट शिव शंकर पात्र, सीनियर एडवोकेट रवि पात्र, एडिशनल पब्लिक प्रोसिक्यूटर सुधांशु पण्डा तथा अन्य मेम्बर्स उपस्थित रहे।

सूर्य नगर-तारों की कूट(राज.)। सेवाकेन्द्र पर आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व समाज सेवी महेश पारीख, प्रो. बनवारी लाल गुप्ता, राजस्थान हाई कोर्ट के एडवोकेट श्याम प्रकाश शर्मा, राजापार्क सबज़ोन से ब्र.कु. पूजा दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जया बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।